ShaneNabi.In

Best Sunni Islamic Website
And Youtube Channel

दिल ना दुखाना, माँ को ना सताना (हिन्दी कव्वाली लीरिक्स)

लिखा है: अज़ीम नाज़ा

Follow us on social:

https://youtube.com/@shanenabi
https://www.facebook.com/shanenabi.in
https://www.instagram.com/shanenabi.in
https://twitter.com/ShaneNabi_In

For more lyrics and islamic content please visit https://shanenabi.in
This lyrics downloaded/printed from https://shanenabi.in website.
For help/request contact us on support@shanenabi.in

हर एक कदम पर खुद उसकी लाज रखता है
जो सर पे माँ की दुआओ का ताज रखता है (x2)

क्यूँ मैं मोहब्बतों मे वफ़ा से दगा करू
दिल से तेरे खयालों को कैसे जुदा करू
बीमार माँ है और वक्ते नमाज़ भी है
एक व्यक्त मे दो फ़र्ज़ को कैसे अदा करू

दिल ना दुखाना, माँ को ना सताना, माँ के चूम लेना कदम (x2)
अल्लाह की कसम मेरे मौला की कसम
दिल ना दुखाना, माँ को ना सताना, माँ के चूम लेना कदम (x2)

सबसे आज़ीम प्यारी है माँ की खिदमत (x2)
माँ के कदमों के नीचे तेरी जन्नत

सबसे आज़ीम प्यारी है माँ की खिदमत
माँ के कदमों के नीचे तेरी जन्नत

तेरे लिए तो माँ ने दुख उठाया (x2)
लोरिया गा के झूला भी झुलाया
तुझको खिलाती थी वो सोने नहीं देती (x2)
तुझको हसाती थी वो रोने नहीं देती

For more lyrics and islamic content please visit https://shanenabi.in
This lyrics downloaded/printed from https://shanenabi.in website.
For help/request contact us on support@shanenabi.in

बच्चों के खातिर रब से यूं मांगे (x2)
करना मेरे अल्लाह करम

अल्लाह की कसम मेरे मौला की कसम
दिल ना दुखाना, माँ को ना सताना, माँ के चूम लेना कदम (x2)

या खुद हश्र मे मेरी इतनी ज़मानत रखना
मैं रहु या ना रहु पर माँ को सलामत रखना

बचपन मे माँ को तूने है पुकारा
माँ से बढ़कर नहीं है कोई प्यारा
उंगली पकड़ कर चलना है सिखाया
जब भी गिरता था माँ ने ही उठाया
माँ की दुआ से मेरे घर मे है बहार (x2)
औलाद है वो प्यारी माँ की खिदमत गुज़ार
रात भर वो जागी हमको संभाला
माँ पे नहीं करना सितम

अल्लाह की कसम मेरे मौला की कसम
दिल ना दुखाना, माँ को ना सताना, माँ के चूम लेना कदम (x2)

For more lyrics and islamic content please visit https://shanenabi.in
This lyrics downloaded/printed from https://shanenabi.in website.
For help/request contact us on support@shanenabi.in

लुत्फ जन्नत का उठाने मे मज़ा आता है
और माँ तेरे पाओ दबाने मे मज़ा आता है

कुछ लोग अपने माँ बाप को झूले मे बीठा कर खाना खिलाते है
कुछ लोग औरत की खातिर माँ बाप को घर से बाहर सुलाते है

माँ बाप के जो दिल को तोड़ देगा
साथ तेरा खुद भी छोड़े देगा
एहसान अपनी माँ का ना भुलाना
माँ के नाज़ूक से दिल को ना दुखाना
औलाद के खातिर ज़ुल्म सहेति है
फिर भी मुंह से ना कुछ कहती है
किस किस्से मांग कर तुझे खिलाया
फिर भी पगले तुझे ना प्यार आया

माँ जो गुज़र गई तो फिर तू पछताएगा
माँ जो चली गई तो फिर तू पछताएगा
माँ ना रही जहां मे फिर तूह घबराएगा
बेवा हो, सुहागन, तवायफ या भीकारन
माँ का सदा रखना भ्रम
अल्लाह की कसम मेरे मौला की कसम
दिल ना दुखाना, माँ को ना सताना, माँ के चूम लेना कदम (x2)

For more lyrics and islamic content please visit https://shanenabi.in
This lyrics downloaded/printed from https://shanenabi.in website.
For help/request contact us on support@shanenabi.in